Appointment
9
10
11
12

* घूमर :- यह राजस्थान का एक प्रचलित लोक नृत्य है। इस नृत्य में केवल स्त्रियाँ ही भाग लेती हैं। इस नृत्य का आयोजन प्रत्येक मांगलिक एवं पारम्परिक उत्सवों यथा - दुर्गापूजा एवं होली आदि के अवसर पर किया जाता है। चूँकि इस नृत्य को घूम - घूमकर किया जाता है इसलिए इसे नृत्य को घूमर कहा जाता है।

* बिहू नृत्य :- यह पूर्वोत्तर भारत में असम राज्य का एक प्रसिद्ध लोक नृत्य है, जो कि मीरी, कचारी तथा खासी जनजाति के लोगों द्वारा सामूहिक रूप से किया जाता है। इस नृत्य का वर्ष में दो बार आयोजन किया जाता है -

(1) नववर्ष के स्वागत हेतु वर्ष के पहले दिन बोहाग बिहू के नाम से इस नृत्य का आयोजन किया जाता है।

(2). वसंत उत्सव पर वैशाख बिहू के नाम से इस नृत्य का आयोजन किया जाता है।

* गढ़वाली नृत्य :- प्रकृति के सुरम्य वातावरण में बसे गढ़वाली लोग खेत काटने के समय खुशियाँ मनाने के लिए जो नृत्य करते हैं वह गढ़वाली नृत्य के नाम से विख्यात है। यह नृत्य सामूहिक आनंद प्रदान करने वाला है। गढ़वाल प्रांत के लोग इसको बड़े ही हर्षोल्लास के साथ करते हैं।

Today's Priority

Scanned with CamScanner

* डाँडिया नृत्य :- यह गुजरात प्रांत का प्रसिद्ध नृत्य है। इस नृत्य में स्त्रियाँ अपने छोटे-छोटे रंग-बिरंगे डाँडिए लेकर गोलाई में खड़ी होकर गीत गाती हैं, अलग-अलग चक्र बनाकर परस्पर डण्डे बजाती हैं। डाँडिया नृत्य में गायन, लय, गीत आदि सभी तीव्र गति से संचालित होते हैं।

Scanned with CamScanner